University in News on 26 March 2022

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

JAGRAN CITY PAGE I

'वेदों-पुराणों से जन्मी है मानवीय विधि'

मूट कोर्ट प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर डीन ला प्रो. सीपी सिंह, प्रो. बलराज चौहान, पूर्व न्यायमूर्ति देवी प्रसाद सिंह, अनूप त्रिवेदी, प्रो. विनीता काचर • सौ. छवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता शुरू, ह्यूमैनिटेरियन ला से जुड़े बिंदुओं पर हुई चर्चा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रथम जस्टिस न्यायमूर्ति वीरेंद्र कुमार दीक्षित मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देवी प्रसाद सिंह, विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी, नेशनल ला यूनिवर्सिटीज के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान एवं राज्यपाल के पूर्व विधिक सलाहकार एसएस उपाध्याय मौजूद रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मूट कोर्ट एसोसिएशन की शिक्षिका संचालिका प्रोफेसर विनीता काचर ने प्रतियोगिता के विषय ह्यूमैनिटेरियन (मानवीय) ला से जुड़े बिंदुओं पर भी चर्चा की। न्यायमूर्ति देवी प्रसाद सिंह ने छात्रों को बताया कि कहीं ना कहीं यह विधि भारतीय वेदों-पुराणों आदि से जन्मी है। यह निश्चित ही 7000 साल से भी पुरानी विधि है। उन्होंने महाभारत एवं रामायण के कई उदाहरण भी साझा किए। वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने छात्रों को मानवीय विधि एवं संविधान के पहलुओं से अवगत कराते हुए बताया कि कैसे समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेशनल ला का विकास किया। सालिसिटर (हायर राइट) यूनाइटेड किंगडम हरजोत सिंह ने विधि के क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीख दी। एसएस उपाध्याय ने न्यायमूर्ति वीके दीक्षित को अपना गुरु बताते हुए याद किया। प्रोफेसर बलराज सिंह चौहान ने छात्रों को बताया कि कैसे इंटरनेशनल मूट कोर्ट नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं से भिन्न होती है। डीन ला प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के बाद रिसर्च टेस्ट का आयोजन किया गया।

लवि : विद्यार्थी आनलाइन बता सकेंगे समस्याएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की साइबर लाइब्रेरी में आने वाले विद्यार्थी अब अपनी समस्याएं या सुझाव आनलाइन बता सकेंगे। इसके लिए क्यूआर कोड आधारित फीडबैक फार्म आनलाइन जारी किया जाएगा। यह निर्णय शुक्रवार को साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक में उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. प्रवीश प्रकाश, डा. किरनलता डंगवाल, डा. रजनीश यादव, छात्र आयुषी चौरसिया, सुरभि शर्मा, अखिलेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए।

बैठक में यह भी तय हुआ कि साइबर पुस्तकालय का एक वीडियो वेबसाइट तथा अन्य सोशल साइट पर डाला जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों तक साइबर लाइब्रेरी को जानने का अवसर मिले।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

वेदों व पुराणों से जन्मा है ह्यूमैनिटेरियन लॉ

एलयू में अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट शुरू

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देवी प्रसाद सिंह ने कहा है कि कहीं ना कहीं ह्यूमैनिटेरियन लॉ भारतीय वेदों एवं पुराणों आदि से जन्मा है। वह निश्चित ही 7000 साल से भी पुरानी विधि है। इसके समर्थन में उन्होंने महाभारत व रामायण के कई उदाहरण भी दिए। वे लखनऊ विवि के विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी द्वारा तीन दिवसीय पहली अंतरराष्ट्रीय जस्टिस न्यायमूर्ति वीरेंद्र कुमार दीक्षित मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने छात्रों को ह्यूमैनिटेरियन लॉ के बारे में बताया। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज में कुलपति रहे प्रो. बलराज चौहान ने कहा कि विधि संकाय में लीगल एड प्रोग्राम एवं क्लीनिकल सपोर्ट प्रोग्राम को शुरू कराने में भी न्यायमूर्ति वी के दीक्षित का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 11

क्यू आर कोड स्कैन कर अनुभव बता सकेंगे छात्र

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय साइबर लाइब्रेरी में छात्रों के अनुभव एवं समस्याओं के लिए एक क्यूआर कोड बेस्ड फीड-बैक फॉर्म मिलेगा। छात्र इस क्यूआर कोड को स्कैन कर ऑनलाइन अपनी समस्याओं और अनुभव को साझा कर सकेंगे। समिति की बैठक में डॉ. प्रवीश प्रकाश, संयोजक, टीचर सदस्य डॉ. किरनलता डंगवाल, डॉ. रजनीश यादव, छात्र आयुषी चौरसिया मौजूद रहे।

सरस्वती वाटिका में चलाया स्वच्छता अभियान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने सरस्वती वाटिका में स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के डॉ. आशीष उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ी उनकी समस्याओं व शंकाओं का समाधान किया। वहीं, लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की डॉ. किरण लता डंगवाल ने छात्र-छात्राओं को उनके व्यक्तित्व को निखारने के गुर सिखाए ।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में एनएसएस शिविर का शुभारंभ

लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ गुरुवार को हुआ. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने किया. उन्होंने समाज के उत्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम अधिकारी डा. अलका मिश्रा ने बताया कि सात दिवसीय शिविर के माध्यम से एनएसएस के छात्र राष्ट्र सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित विभिन्न कार्य करेंगे.

PIONEER PAGE 3

ह्यूमैनिटेरियन लॉ का जन्म भारतीय वेदों एवं पुराणों से हुआ: देवी प्रसाद सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी द्वारा त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रथम जस्टिस न्यायमूर्ति वीरेंद्र कुमार दीक्षित मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता हाई कोर्ट के एडवोकेट मनु दीक्षित एवं अंतरराष्ट्रीय फर्म त्विनवुड लॉ प्रैक्टिस बर्मिंघम के सहयोग से कराई जा रही है। प्रतियोगिता में देश एवं विदेश से कुल 22 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं जिसमें से दो टीमें नेपाल एवं यूनाइटेड किंगडम की है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देवी प्रसाद सिंह ने न्यायमूर्ति वी के दीक्षित के बारे में बताते हुए कहा की वह बहुत ही सरल एवं विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता निश्चित ही एक ऐसे व्यक्ति के नाम पर हो रही है जिन्होंने समाज को बहुत कुछ दिया है। उनके साथ लिखे हुए एक अहम जजमेंट पर भी चर्चा करी। प्रतियोगिता के विषय पर चर्चा करते हुए उन्होंने छात्रों को बताया कि कहीं ना कहीं ह्यूमैनिटेरियन लॉ भारतीय वेदों एवं पुराणो आदि से जन्मा है और वह निश्चित ही 7000 साल से भी पुरानी विधि है। महाभारत एवं रामायण के कई उदाहरण भी साझा कर उन्होंने अपनी बात को औचित्य साबित किया।अनूप त्रिवेदी ने छात्रों को ह्यूमैनिटेरियन लॉ एवं संविधान के पहलुओं से अवगत कराते हुए बताया कि कैसे समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेशनल लॉ का विकास किया एवं कैसे भारतीय विधि की जड़ों में इंटरनेशनल लॉ की छवि प्रतिबिंबित होती है। सॉलीसीटर एडवोकेट यूनाइटेड किंगडम हरजोत सिंह ने मौजूद छात्रों को विधि क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु अहम सीखें दी जैसे कि सदा अपने विरुद्ध पक्ष के अधिवक्ता का सम्मान करें, बतौर अधिवक्ता नम्र रहे आदि। एसएस उपाध्याय ने न्यायमूर्ति वीके दीक्षित को अपना गुरु बताते हुए याद किया। उन्होंने छात्रों को बताया की विधि के क्षेत्र में पुस्तकों से बाहर भी एक दुनिया है जिसे समझना होता है। इस दुनिया के बारे में एक अच्छे अधिवक्ता का जूनियर बनकर कुछ ही समय में सीखा जा सकता है। प्रोफेसर बलराज सिंह चौहान ने बताया की विधि संकाय में लीगल एड प्रोग्राम एवं क्लीनिकल सपोर्ट प्रोग्राम को शुरू कराने में भी न्यायमूर्ति वी के दीक्षित का बहुत बड़ा सहयोग रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में मूट कोर्ट एसोसिएशन की शिक्षिका संचालिका प्रोफेसर विनीता काचर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के विषय ह्यूमैनिटेरियन लॉ से जुड़े बिंदुओं पर भी चर्चा करी। संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने इंटरनेशनल मूट कोर्ट के आयोजन पर खुशी जताई एवं आए अतिथियों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर न्यायमूर्ति वी के दीक्षित जिनकी स्मृति में यह प्रतियोगिता कराई जा रही है उनकी पत्नी इंदु दीक्षित भी समारोह में उपस्थित रही। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के पश्चात रिसर्च टेस्ट का आयोजन कराया गया। फाइनल राउंड 27 मार्च को प्रस्तावित है जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति छात्रों को जज करेंगे। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही विनिंग टीम को 30,000, रनर अप टीम को 15000, श्रेष्ठ वक्ता को 5000, शिष्ट शोधक को 5000 एवं श्रेष्ठ मेमोरियल बनाने वाली टीम को 5000 रुपए नगद इनाम स्वरूप दिए जाएंगे।

DAINIK JAGRAN PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रवेश विज्ञापन (2022-23)

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए **2** अप्रैल **2022** से ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म आमंत्रित किये जाते हैं:

- **B.A. (NEP), B.Com (NEP), B.Com (Hons), LL.B. (Integrated 5 Year), B.Sc. (Maths and Biology Groups) (NEP), B.Voc. (Renewable Energy), BVA/BFA, Shastri, B.A./B.Sc. (Yoga), BNYS (5 Years), D. Pharm.**
- **BCA, BBA, BBA (IB), BBA (MS), BBA (Tourism)**
- **B.El.Ed., B.Sc. (Ag.), B.J.M.C. (for colleges only)**

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि **31** मई, **2022** है। विस्तृत विवरण के लिए www.lkouniv.ac.in के admission पेज को देखें।

कुलसचिव

TOI PAGE 4

Fake notice says LU's UG exam put off

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A fake notice regarding the postponement of the Lucknow University undergraduate examination scheduled to begin from March 29 went viral on social media on Friday morning. The notice exactly looked like a real LU notice that had the University's logo and signature of the controller of the examination Vidyanand Tripathi.

It led to great confusion amongst University students with a number of them calling up university officials, reaching the controller of the examination office and asking on social media why the examinations have been postponed all of a sudden?.

LU's BA, BSc and BCom first semester examinations are scheduled to from Tuesday but the fake notice said that the exam has been postponed.

LU spokesperson Durgesh Srivatsava said, "We are probing the matter, the notice has been cleverly photoshopped, mixing LU's previously issued notice language and format."

THE PIONEER PAGE 3

Short-term course on NEP commences

PNS ■ LUCKNOW

An inaugural function on a short-term course on the New Education Policy-2020 was organised by the UGC — Human Resource Development Centre in association with the department of Social Work, Lucknow University.

NEP was promulgated by the Government of India in July 2020 to replace the previous national policies on education in order to bring changes in the education system. A senior faculty member said the NEP focuses on strategies needed to promote research and innovation across all disciplines.

"It has a vision of an education system which has its roots in Indian ethics. It should contribute towards transforming India into an equitable and vibrant knowledge society by providing high-quality education to all, thus making India a global knowledge superpower. The aim of the course is to assist in comprehending the underlying concept of NEP, deliberate on the ways and means of transmitting new abilities, provide training on management of curriculum design, promote active learning through analytical & critical thinking, ensuring adaptability, resilience through focused efforts towards originality, creativity and initiative, and to bring into focus the notion of leadership," he added.

The course was coordinated by head of the department of Social Work Anoop Bhartiya and head of the department of Business Administration Sanjay Medhavi. The function was attended by LU Vice-Chancellor AK Rai, ACS (Higher Education) Monika S Garg, and registrar Vinod Kumar among others.

It is a 7-day short-term course on NEP in which over 150 people registered.

Director of UGC — HRDC Kamal Kumar addressed the audience and talked about various objectives of the course and need of the short-term course.

Monika S Garg said that the NEP is not just a document but is supposed to give everyone who wants to learn something to learn. "It oozes flexible learning and focuses on areas like research & development, well-grounded individual etc," she said.

She also talked about the importance of digital learning and about creating a 24/7 e-learning park for making learning even more accessible for all.

VC AK Rai talked about various ways in which the government is helping further research in higher education. He emphasised on holistic development and standardisation of academics by the UP government. He said efforts are being made by the university to give the same salary to the self-financed teachers as regular ones.

Meanwhile, under the patronage of Rai, the department of Commerce organised an event, 'Rang-e-Riwaaz', to celebrate Holi on Thursday under the guidance of head of the department of Commerce Audhesh Kumar.

FIRST INDIA PAGE 13

Admissions Open!

CITY FIRST

The University of Lucknow will start the admission process for the upcoming academic session 2022-23 from the first week of April. Applications will be accepted for undergraduate, postgraduate and diploma courses through online form on the university website.

Prof Alok Kumar Rai, Vice-Chancellor of the university said that, "May 31 is the last date to register for the entrance exams at the university. There are a total of 8,000 seats across multiple courses that will be set out for registration.

According to the university administration, the entrance exam will be based on the objective question format. All the information regarding the entrance examination will be updated on the official LU website. Students willing to take admission at LU can go through the official website. For the first time, LU is also set to start a College for Vocational Studies at Sitapur.

At this new institute, students will be able to take up job-oriented practical courses starting from this session."